२ फाल्गुन कृष्ण बुधवार २०७२
द्वितीया रा० २/१४

B.A II (H) Home Science

Wednesday 24
9th Week • 055-311

Pg. 1

Q बजट कितने तरह का होता है इसकी विवेचना करें।

आम बजट या यूनियन बजट सरकार के खर्च और कमाई का लेखा-जोखा है। जिस तरह आप अपने घर का बजट बनाते हैं कि कितनी आमदनी होगी कितने पैसे खर्च होंगे और अंत में कितने बचत होंगे आम आदमी और सरकार के बजट में एक मामूली सा अंतर होता है। वह अंतर यह है कि आप अपने घर का बजट बनाते हैं और सरकार पूरे देश का बजट बनाती है।

बजट को हम कई तरह से वर्गीकृत कर सकते हैं जैसे संतुलित बजट, असंतुलित बजट, सरप्लस बजट या डेफिसिट बजट, ~~इसे~~ हम अंतरिम बजट और पूर्ण बजट में भी विभाजित कर सकते हैं और भी कई तरह से जानकार व अर्थशास्त्री बजट का वर्गीकरण करते हैं।

Work to do

Scanned with CamScanner

Pg. (2)

(1) संतुलित बजट क्या है।
अगर किसी एक वित्त वर्ष में सरकार की आमदनी और खर्च के आंकड़े बराबर हो तो उसे संतुलित या बैलेंस्ड बजट कहते है। बहुत से अर्थशास्त्री सरकार से इसी तरह के बजट की उम्मीद करते है, इस बजट को वास्तव में चादर के हिसाब से पैर फैलाने वाले बजट भी कहा जाता है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि सरकार अपनी आमदनी के हिसाब से ही रकम खर्च करेगी

(2) संतुलित बजट के क्या फायदे है
आर्थिक स्थिरता बनी रहती है। सरकार बेवजह के खर्च से बचती है।

(3) संतुलित बजट के नुकसान क्या है
आर्थिक सुस्ती के वक्त बेअसर साबित होती है। बेरोजगारी जैसी समस्या के

Work to do

समाधान में मदद नहीं मिल पाती। विकासशील देशों में आर्थिक ग्रोथ पर असर डालती है जन कल्याण के काम करने से

सरकार के हाथ रोक देती है।

(4) सरप्लस बजट क्या है।
अगर सरकार के खर्च से उसकी आमदनी अधिक हो तो उसे सरप्लस बजट कहते हैं, किसी एक वित्त वर्ष में सरकार के पास अतिरिक्त रकम बचना सरप्लस बजट कहलाता है।

(5) डेफिसिट बजट - अगर सरकार का अनुमानित खर्च उसकी कमाई से अधिक रहने का लेखा जोखा पेश किया जाए तो इसे डेफिसिट बजट कहते हैं। इसका मतलब यह है कि सरकार को टैक्स एवं अन्य स्रोत से जितनी आमदनी होगी जनकल्याण के काम पर वह उससे अधिक खर्च करने की योजना बना रही है। डेफिसिट बजट से मांग बढ़ाने और आर्थिक विकास में तेजी लाने में मदद मिलती है। डेफिसिट बजट में सरकार उधारी लेकर अपने खर्च को कवर करती है।

Work to do

(6) डेफिसिट बजट के फायदे क्या है।
आर्थिक सुस्ती के दौर में रोजगार बढ़ाने में मददगार सरकार

Pg - 4

को जन कल्याण के काम
पर खर्च करने का मौका
मिलता है। डेफिसिट बजट के
नुकसान सरकार बेमतलब की
चीजों पर खर्च कर सकती है।
उधारी लेने की वजह से बोझ
बढ़ता है।